जिला सूचना कार्यालय हरिद्वार।
निकट देवपुरा चौक, पुरानी कचहरी, हरिद्वार।
E-mail: suchnaharidwar@gmail.comदूरभाष/फैक्स : 01334–226695, मोबाइलः 9412074595

दिनांक : 31.01.2018

प्रेस विज्ञप्ति

हरिद्वार। माननीय मंत्री पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, तीर्थाटन एवं धार्मिक मेले, संस्कृति, जलागम प्रबंधन, बाढ़ तथा जल संग्रहण एवं जनपद हरिद्वार के प्रभारी मंत्री श्री सतपाल महाराज ने आज सीसीआर सभागार हरिद्वार में जिला योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक ली तथा जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय लोगों की समस्याओं का निराकरण किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रमुख सचिव श्रीमती मनीषा पवांर, जिलाधिकारी दीपक रावत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार वीके तथा सीडीओ स्वाती भदौरिया भी उपस्थित रहे।

माननीय मंत्री ने विभागों को अनोमोदित, आवंटित बजट के सापेक्ष खर्च की स्थिति की समीक्षा की।

सर्व प्रथम पंचायती राज विभाग की समीक्षा करते हुए जिला योजना, राज्य सेक्टर एवं केंद्र पोषित योजनाओं के माध्यम से किये गये की अद्यतन स्थिति के बारे में पूछा। जिस पर जिला पंचायती राज अधिकारी श्री रमेश त्रिपाठी ने बताया कि जिला योजना में अवमुक्त 987.06की धनराशि में से 770 लाख व्यय किया जा चुका ळें राज्य योजना में 1767.58 एवं व्यय 1565.78 केंद्र पोषित में 3461.32 व्यय 2595.99।

लोक निर्माण विभाग ने बताया कि जिला योजना में 501.30 अवमुक्त एवं व्यय 284.76, राज्य योजना में 5835 व्यय 5148.61 केंद्र पोषित में अवमुक्त 150.00 के सापेक्ष व्यय 11.32 किया। पेयजल विभाग जिला योजना में अवमुक्त 232.61लाख के सापेक्ष 210 लाख रूपये व्यय, राज्य योजना में 421.27 लाख व्यय 349.99 लाख, केंद्र पोषित योजना में अवमुक्त 1264.77 के सापेक्ष 845.24 व्यय किया गया है। गंगा प्रदूषण में केंद्र पोषित योजना में अवमुक्त 2214.37 के सापेक्ष 2210.94 का व्यय किया जा चुका है।

स्वजल के लिए राज्य योजना में अवममुक्त 275.16 सम्पूर्ण धनराशि शत प्रतिशत व्यय तथा केंद्र पोषित मे भी अवमुक्त 2476.49 शत प्रतिशत व्यय हो चुका है। जल संस्थान जिला योजना में 120 लाख अवमुक्त जिसमें से 55.87, व्यय, राज्य योजना में अवमुक्त धनराशि में से 57.76 27.51 व्यय हो चुका है।

लघु सिंचाई विभाग को जिला योजना में अभी तक अवमुक्त 15 लाख की धनराशि में से 10.00 लाख व्यय। सिंचाई विभाग नहर जिला योजना में अवमुक्त 172 लाख के सापेक्ष 64.01 व्यय, राज्य सेक्टर में अवमुक्त 146.88 के सापेक्ष 136.93 व्यय, केंद्र पोषित योजना में 562.37 व्यय 265.37।

नलकूप खण्ड जिला योजना में 54.93 व्यय धनराशि 42.48,राज्य योजना मे 2768.32 व्यय 2076. 27। स्वास्थ्य विभाग ऐलोपैथी चिकित्सा जिला योजना में अवमुक्त 80.00 लाख के सापेक्ष 60.00 लाख व्यय, राज्य योजना में अवमुक्त 100 लाख के सापेक्ष 30 लाख व्यय, केंद्र पोषित में 250.99 व्यय 229. 12।

ग्राम्य विकास विभाग में जिला योजना में अवमुक्त 60 लाख व्यय धनराशि 11.00 लाख। राज्य योजना में 3616.06 व्यय धनराशि 1641.42, केंद्र पोषित में 4630.76 व्यय धनराशि 4155.28। माध्यमिक शिक्षा जिला योजना में अवमुक्त 113.36 व्यय 65.00, केंद्र पोषित में 900.88 व्यय 772.26 लाख। प्राथमिक शिक्षा में राज्य योजना में 194.77 लाख अवमुक्त तथा व्यय 181.25, केन्द्र पोषित में 3948.15 अवमुक्त तथा 3728.45 लाख व्यय।

समाज कल्याण विभाग में जिला योजना में अवमुक्त 34.72 लाख तथा 19.97 व्यय, राज्य योजना में 12711.18 अवमुक्त तथा 6690.45 व्यय, केन्द्र पोषित में 3284.43 अवमुक्त तथा 261.25 व्यय।

कृषि विभाग में जिला योजना में अवमुक्त 50 लाख तथा व्यय 48.10 लाख, राज्य योजना में अवमुक्त 61.55 लाख तथा व्यय 51.25 लाख, केन्द्र पोषित में 424.36 लाख अवमुक्त तथा व्यय 310.10 लाख।

जिला सूचना कार्यालय हरिद्वार।
निकट देवपुरा चौक, पुरानी कचहरी, हरिद्वार।
E-mail: suchnaharidwar@gmail.comदूरभाष/फैक्स : 01334–226695, मोबाइलः 9412074595

दिनांक : 31.01.2018

उद्यान विभाग में जिला योजना में अवमुक्त 18 लाख तथा व्यय 17.90 लाख, राज्य योजना में अवमुक्त 32.86 लाख तथा व्यय 20.64, केन्द्र पोषित में अवमुक्त 145.82 तथा व्यय 67.09 लाख।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में राज्य योजना में 1818.40 लाख अवमुक्त तथा 1094.95 लाख व्यय, केन्द्र पोषित में 5675.67 लाख अवमुक्त तथा 3744.86 लाख व्यय। किया गया।

माननीय मंत्री श्री सतपाल महाराज ने विभागों की प्रगति रिपोर्ट को संतोषजनक बताते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाते हुए काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह विकास योजनाओं का पैसा है जो विकास कार्यों में समय से पूरा खर्च होना चाहिए। विभागों की आपसी संवादहीनता का खाामियाजा जनता को नहीं भुगतना पड़े इसका विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिये। आगामी समीक्षा बैठकों से पहले विभागीय कार्यो का भौतिक निरीक्षण भी किया जायेगा। निर्माण विभाग छोटे या बड़े किसी भी प्रकार के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चि करें। विकास कार्यो को बजट से कार्य करने वाले सभी विभाग तथा प्रत्येक कार्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सभी के समन्वय से राज्य का विकास व निर्माण होगा और उत्तरखण्ड आदर्श राज्य बनेगा।

बैठक में रूड़की विधायक श्री प्रदीप बत्रा, मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन, बीजेपी जिलाध्यक्ष डा0 जयपाल सिंह चौहान,आयुक्त नगर निगम श्री नितिन भदौरिया, सचिव एचआरडीए श्री बंशीधर तिवारी, एडीएम वित्त तथा राजस्व, एडीएम प्रशासन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नरेंद्र भण्डारी, सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

माननीय मंत्री ने समीक्षा बैठक के उपरान्त जनपद हरिद्वार के नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु जनता दर्शन के माध्यम से जन समस्यायें सुनी। कुल 44 फरियादियों ने लिखित रूप में अपनी शिकायतें माननीय मंत्री के समक्ष रखी।

जिनमें उत्तरी हरिद्वार में चिकित्सालय स्थापित किये जाने की मांग युवक द्वारा रखी गयी। नत्था सिंह ने हृदय रोग के इलाज के लिए चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। मा. मंत्री ने इनके इलाज के लिए जौलीग्रांट चिकित्सालय में जिलाधिकारी स्तर से उपचार उपलब्ध कराये जाने की बात कही। घासमण्डी निवासी सुनील कुमार ने बाल्मीकि बस्ती पुलजटवाड़ा में सड़क अत्यधिक खराब होने के चलते सड़क बनाये जाने की मांग की। रामकुमार शर्मा ने हरिद्वार में समस्त नहरों व नदियों के किनारे सुरक्षा के दृष्टि से रेलिंग लगाये जाने की मांग की। ग्राम आन्नेकी निवासी प्रदीप कुमार ने नाली के पानी की निकासी न होने के कारण सड़कों पर बह रहे गंदे पानी के लिए नाली बनाये जाने की मांग की। राजेश कुमार ने जीवित व्यक्ति को मरा हुआ बताकर उसकी सम्पत्ति कब्जाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की। आर्मी से रिटायर वरिष्ठ नागरिक श्रेणी में वृद्ध पेंशनर ने पेंशन समय से दिलाने तथा मिलिट्री कैंटीन का पास न बनाये जाने की शिकायत की। पंतद्वीप क्षेत्र में फूलफरोशी व ठेली आदि लगाकर जीवन यापन करने वाले व्यापारियों ने पूर्व की भांति व्यवस्था शुरू करते हुए निर्धारित शुल्क पर्ची के हिसाब से राजस्व वसूली किये जाने की मांग की। औरंगाबाद निवासी विजय चौहान ने गांव में नदी के बहाव के कारण हो रहे कटाव को रोकने के लिए तटबंध बनाये जाने की मांग की। श्यामपुर निवासी हौरी सिंह ने गांव में परिवहन निगम की बसों के लिए स्टॉपिज बनाये जाने की मांग की।

जिला सूचना अधिकारी
हरिद्वार